



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 222]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 25, 2005/ज्येष्ठ 4, 1927

No. 222]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 25, 2005/JYAISTHA 4, 1927

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

[आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 2005

सा.का.नि. 334(अ).—ओषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केंद्रीय सरकार, ओषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 33ड की उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा:

उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से कोई सुझाव या आक्षेप प्राप्त होने पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

आक्षेप और सुझाव, यदि कोई हो, सचिव आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, नई दिल्ली-110001 को भेजे जा सकेंगे:

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ओषधि और प्रसाधन सामग्री (सप्तम संशोधन) नियम, 2005 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ओषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,-

नियम 160 ख के उपनियम (1) के खंड (ii) में उपखंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ख) आवेदक आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी ओषधियों का परीक्षण करने और विश्लेषण करने के लिए निम्नलिखित प्रत्येक प्रवर्गों में से कम से कम एक विशेषज्ञ को नियोजित करेगा, अर्थात्:

(i) आयुर्वेद या सिद्ध या यूनानी ओषधि में ऐसा विशेषज्ञ जिसके पास भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 की अनुसूची II के अधीन मान्यताप्राप्त डिग्री अर्हता है;

(ii) रसायनज्ञ, जिसके पास किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई कम से कम विज्ञान या फार्मेसी या फार्मेसी (आयुर्वेद) में स्नातक डिग्री हो; और

(iii) वनस्पतिज्ञ [फार्मोकोगनोसिस्ट] जिसके पास कम से कम किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई विज्ञान (चिकित्सा) या फार्मेसी या फार्मेसी (आयुर्वेद) में स्नातक डिग्री हो।”

[फा. सं. के-11020/3/2000-डीसीसी (आयुष)]

तारादत्त, संयुक्त सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में सं. एफ. 28-10/45 तारीख 21 दिसम्बर, 1945 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनका अंतिम संशोधन सं. सा.का.नि. 312(अ), तारीख 16 मई, 2005 को किया गया था।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

[Department of Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH)]

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 2005

G.S.R. 334(E).— The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (2) of section 33-N of the Drugs and Cosmetics Act 1940 (23 of 1940), is hereby published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby and a notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of thirty days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public.

Any objection and suggestion, which may be received from any person with respect to the said draft rules within the period specified above will be taken into consideration by the Central Government;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Department of Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Ministry of Health and Family Welfare, Indian Red Cross Society Building, New Delhi 110001;

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (VIIth Amendment) Rule, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drug and Cosmetics Rule 1945,-

in rule 160B in sub-rule (2), in clause (ii), for sub-clause (b), the following shall be substituted, namely:-

“(b) The applicant shall employ at least one expert from each of the following categories for testing and analysis of Ayurveda, Siddha and Unani drugs namely;

(i) expert in Ayurveda or Siddha or Unani medicine who possesses a degree qualification

recognized under Schedule II of Indian Medicine Central Council Act, 1970;

(ii) chemist who shall possess at least Bachelor Degree in Science or Pharmacy or Pharmacy (Ayurveda) awarded by a recognized University; and

(iii) botanist (Pharmacognosist), who shall possess at least Bachelor Degree in Science (medical) or Pharmacy or Pharmacy (Ayurveda) awarded by a recognized University.”

[F. No. K-11020/3/2000-DCC (AYUSH)]

TARA DATT, Jt. Secy.

Note :-—The principal rules were published in the Gazette of India, vide number F. 28-10/45 dated the 21st December, 1945 and last amended vide number G.S.R. 312(E) dated the 16th May, 2005.